

सर्वदलीय वि. (तत्.) 1. सभी दलों से संबंधित, जिस में सभी दल शामिल हो या सभी दलों का सहयोग हो 2. सभी दलों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाने वाला कार्य।

सर्वदा¹ अव्य. (तत्.) हमेशा, हर काल में, सदा।

सर्वदा² वि. (तत्.) 1. सब कुछ देने वाला 2. राजा बलि की स्त्री का नाम।

सर्वदेवमुख पुं. (तत्.) अग्नि, आग।

सर्वधारी पुं. (तत्.) 1. साठ संवत्सरों में से बाईसवां (विष्णु का) संवत्सर 2. शिव।

सर्वनाथ पुं. (तत्.) सब का मालिक या स्वामी, ईश्वर।

सर्वनाभ पुं. (तत्.) एक प्रकार का प्राचीन अस्त्र।

सर्वनाम पुं. (तत्.) वह जो सबका नाम हो सकता हो 2. संज्ञा शब्द के स्थान पर प्रयुक्त होने वाला शब्द जैसे- तुम, हम, यह, वह आदि।

सर्वनामा वि. (तत्.) सभी नामों वाला।

सर्वनाश पुं. (तत्.) ऐसा विनाश जिसमें कुछ भी शेष न रहे, पूर्ण विनाश।

सर्वनाशक वि. (तत्.) सर्वनाश करने वाला, विध्वंसकारी।

सर्वनाशन पुं. (तत्.) सर्वनाश करने, पूर्णतः नष्ट करना।

सर्वनाशी वि. (तत्.) 1. सर्वनाशक, सब कुछ नष्ट करने वाला 2. एक प्रकार की परजीवी बेल।

सर्वनिधान पुं. (तत्.) जो सब का आश्रय हो अर्थात् ईश्वर, जिसमें सबका लय हो, परमात्मा।

सर्वनियंता वि. (तत्.) 1. सब को अपने नियंत्रण या वश में रखने वाला 2. ईश्वर।

सर्वनिलय वि. (तत्.) 1. सब में विद्यमान, स्थित, सब में लगा हुआ 2. सभी के प्रति श्रद्धा, भक्ति वाला।

सर्वपति पुं. (तत्.) सबका मालिक, स्वामी, ईश्वर।

सर्वपालक वि. (तत्.) सबका पालन करने वाला, ईश्वर, परमात्मा।

सर्वपूत वि. (तत्.) पूर्णतः शुद्ध, सभी तरह से पवित्र। पूर्णतः पवित्र किया हुआ।

सर्वप्रद वि. (तत्.) सब कुछ प्रदान करने वाला, सब कुछ देने वाला, ईश्वर, परमात्मा।

सर्वप्रदाता वि. (तत्.) सब कुछ देने वाला, सब को देने वाला, परमात्मा चिकि. मानव रक्त के चार वर्गों में से 'ओ' वर्ग के व्यक्ति जिन का रक्त किसी भी वर्ग के व्यक्ति को दिया जा सकता है।

सर्वप्रभु पुं. (तत्.) सब का स्वामी, मालिक 2. ईश्वर, परमात्मा।

सर्वप्राप्ति स्त्री. (तत्.) सब कुछ की प्राप्ति, सब प्रकार की प्राप्ति।

सर्वप्रिय वि. (तत्.) सभी का प्रिय, लोकप्रिय, जिसे सब चाहें, जो सभी को अच्छा लगे।

सर्वप्रियता स्त्री. (तत्.) सभी का प्रिय होने या अच्छा लगने का भाव, लोकप्रियता।

सर्व प्रेरक वि. (तत्.) सभी को प्रेरणा देने वाला।

सर्वभक्षी वि. (तत्.) 1. सब कुछ खाने वाला 2. अग्नि, आग।

सर्वभाव पुं. (तत्.) 1. संपूर्ण सत्ता, सारा अस्तित्व 2. संपूर्ण आत्मा, विश्वात्मा 3. पूरी तरह से होने वाली तृप्ति।

सर्वभावन पुं. (तत्.) सबको प्रिय, महादेव, शिव।

सर्वभूत वि. (तत्.) 1. सर्वव्यापक, जो सर्वत्र विद्यमान हो 2. सभी प्राणी, प्राणी मात्र 3. परमात्मा।

सर्वभृत वि. (तत्.) सबका भरण-पोषण करने वाला, परमात्मा।

सर्वभोग पुं. (तत्.) प्राचीन भारतीय राजनीति में ऐसा वैश्य मित्र जो सेना कोश तथा भूमि से सहायता करे।